(3)

Anand
DATE :
PAGE NO. :

ऑडियो, विडियो रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं:- 10 दिनांक 30/03/2021
ट्रैक नं:- 13 स्थान
ट्रैक सम्भावधि
कलाकार का नाम:- नेकु खाँ (गायन, वादन) पिता का नाम - → सिन्धे खाँ
पता → मखे की ढाणी कनावा-चारणान बाडमेर राजस्थान
सहायक कलाकार - (वाद्य यन्त्र)
1
2
ऑडियो रिकॉर्डिंग का समय
विषय → कथा (जेठोजी भाटोणी)
विशेष विवरण → यह कथा जेठोजी भाटोणी के जीवन पर आधारित है, जो इस प्रकार है। बात उस समय की है जब एक सेठ अपनी बेटी का विवाह बचपन मे ही एक ~~पशु~~ पशु चारक (बारट) से कर देता है। वह बारट बिल्कुल अनपढ और गवार है। सेठ की लड़की बहुत ही होशियार होती है वह वह अपने पति को चन्द बाते जेठोजी के बारे मे लिख के देती है, रास्ते में वह बाते वह अपनी सासु के घर कहता है तो उनका ससुर उन बाते की कॉपी करके जेठोजी तक ~~पहुंच~~ पहुँचा देता है।

जेठोजी उस से खुश होकर उसे बहुत इनाम देता है। सुबह वह बारट भी, सुबह वह बारट भी जेठोजी के पास जाता है, तो जेठोजी उसे भी दान देता है उसकी दानवीरता देखकर मंत्रीमण्डल नराज हो जाता है, तो जेठोजी के पिता जेठोजी को देश निकाला दे देता है, तो जेठोजी निकल जाता है, तो उनकी पत्नी भी साथ चलने का प्रस्ताव रखती है और दोनो वहा से निकल जाते है। राज को चोर आक्रमण करता है तो, वह उसे मार देता है

Anand
DATE
PAGE NO.:

सुबह जब इस बात की खबर उस राज्य के राजा को होती है। तो वह केहता है। कि शेर को किसने मारा, कोई केहता है मैने मारा, कोई केहता है मैने मारा, राजा बोलता है। भाई आप सबुत बताओ तो किसी के पास नहीं मिलता है। जेहोजी के पास कान, जीभ और पुछ का टुकड़ा था, तो राजा ने अपनी राजकुमारी का विवाह जेहोजी से कर दिया। कुछ समय बाद वह नोकरी पर जाता है. नाई और अन्य लोगो के साथ तो नाई जी अपने साथियो से केहता है। क्यू ना हम इस को मार देते है।

इसकी दो-दो पत्नीयां है। हम ही देखभाल करेंगे जेहोजी जो नाव मे सो रहे होते है। नाई जी उनको उठाते है और बोलते है। हमारी नाव को मे मगरमच्छ डूबा देगा आप कुछ करो आपने वह कागज निकाला और देखा कि यदि मेरी आई हुई है। तो कोई रोक नहीं पायेगा और यदि नहीं है तो कोई मार नहीं पायेगा यह देखकर कागज और उस मगरमच्छ के मुँह मे चला जाता है। मगरमच्छ के पेट मे जाने के बाद उसे अन्दर से खोखला कर देता है। और किनार पर ले जाता है।

तो उस समय वहा एक लड़की उसे बाहर निकाल देती है। और उससे शादी कर लेती है। फिर जेहोजी अपने जहाज के साथीयो के पास जाता है। और वापस रवाना हो जाता है। रास्ते मे नाई जी दाड़ी बनाने के बहाने से उसे फिर पानी मे धकेल देता है। जेहोजी फिर बच जाते है। और पानी से बाहर आते है। काफी देर चलने पर एक गांव पहुचते है तो देखते है वहा कोई नही है। इतने मे शाम हो जाती है। तो दूर एक महल मे चिराग चलता नजर आता है। जेहोजी वहा जाते है और देखते है। एक बहुत ही हसीन कन्या वहा झूला झुल रही होती है। कन्या जो कि एक राक्षस की बेटी थी।

नेहाजी को देखकर अचम्भित हो जाती है। उन दोनो के बीच
बातावरण होती है। और राक्षस की कमजोरी का पता लगता है
राक्षस को खत्म करके उनकी बेटी के साथ विवाह कर लेता है
और काफी समय गुजरने के बाद वह वापस ~~से~~ अपने महल
लौटता है। नई जी को ~~आज~~ आजीवन कारावास की सजा
देता है।
और अपना राज्य ~~काल~~ भार सम्भालता है।